

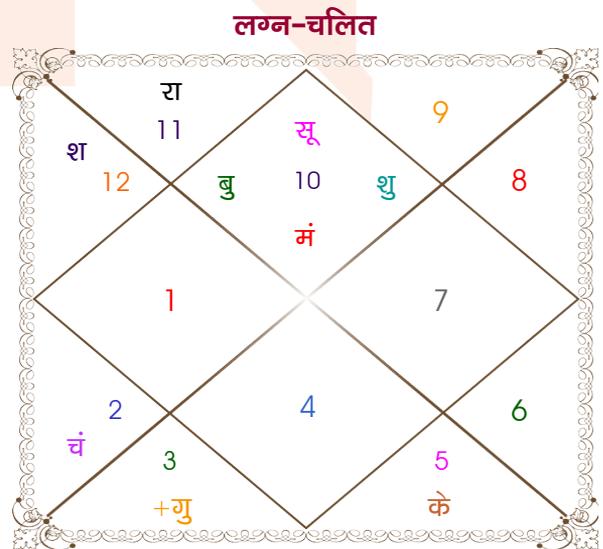
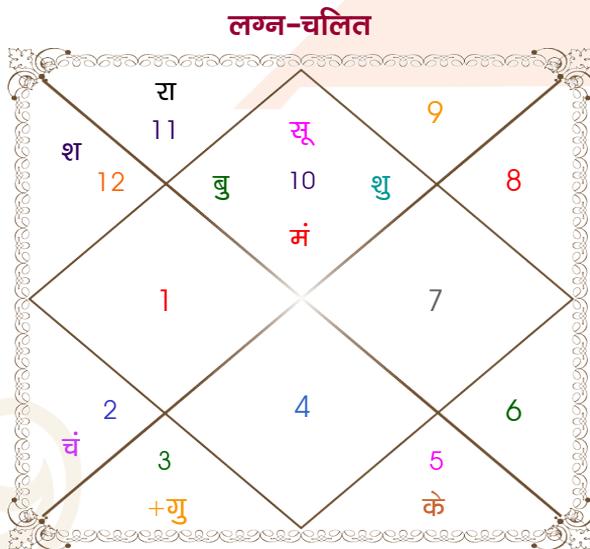


Model: Web-FreeMatching

Order No: 121093920

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 28-29/01/2026 : _____ जन्म तिथि _____ : 28-29/01/2026
 बुध-गुरुवार : _____ दिन _____ : बुध-गुरुवार
 घंटे 06:31:00 : _____ जन्म समय _____ : 06:31:00 घंटे
 घटी 58:18:28 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 58:18:28 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Delhi : _____ स्थान _____ : Delhi
 28:39:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 28:39:00 उत्तर
 77:13:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 77:13:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:21:08 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:21:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 07:11:36 : _____ सूर्योदय _____ : 07:11:36
 17:56:51 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:56:51
 24:13:24 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:13:24

विंशोत्तरी चन्द्र 0वर्ष 5मा 15दि चन्द्र 29/01/2026 15/07/2026	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 0वर्ष 5मा 15दि चन्द्र 29/01/2026 15/07/2026
00/00/0000	02:31:54	मक	लग्न	मक	02:31:54	00/00/0000
00/00/0000	14:53:57	मक	सूर्य	मक	14:53:57	00/00/0000
00/00/0000	22:43:16	वृष	चंद्र	वृष	22:43:16	00/00/0000
00/00/0000	10:11:29	मक	मंगल	मक	10:11:29	00/00/0000
00/00/0000	20:03:07	मक	बुध	मक	20:03:07	00/00/0000
00/00/0000	23:28:32	मिथु व	गुरु व	मिथु	23:28:32	00/00/0000
00/00/0000	20:14:33	मक	शुक्र	मक	20:14:33	00/00/0000
00/00/0000	04:07:50	मीन	शनि	मीन	04:07:50	00/00/0000
00/00/0000	15:05:53	कुंभ व	राहु व	कुंभ	15:05:53	00/00/0000
00/00/0000	15:05:53	सिंह व	केतु व	सिंह	15:05:53	00/00/0000
00/00/0000	03:15:09	वृष व	हर्ष व	वृष	03:15:09	00/00/0000
29/01/2026	05:50:12	मीन	नेप	मीन	05:50:12	29/01/2026
सूर्य 15/07/2026	09:22:46	मक	प्लूटो	मक	09:22:46	सूर्य 15/07/2026



पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी

गाँव हीरापुर वाले

9811075424

rajenderkaushik4444@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	सर्प	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Mr. का नक्षत्र रोहिणी है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms. का नक्षत्र रोहिणी है।

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुण्डली में सप्तम भाव में कर्क राशि तथा लग्न में मकर राशि का मंगल हो तब मंगली दोष समाप्त समझना चाहिए।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में प्रथम भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुण्डली में सप्तम भाव में कर्क राशि तथा लग्न में मकर राशि का मंगल हो तब मंगली दोष समाप्त समझना चाहिए।

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी

गाँव हीरापुर वाले

9811075424

rajenderkaushik4444@gmail.com

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में प्रथम भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते ।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी

गाँव हीरापुर वाले

9811075424

rajenderkaushik4444@gmail.com